सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

हैलो सरकार

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉग ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोन: 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-261 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, सोमवार 26 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्य: 2.50

हनुमान बेनीवाल बोले- सरकार एसआई भर्ती रद्द करे, नहीं तो पूरे राज्य में आंदोलन-विधानसभा भी घेरेंगे

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की मौजूदगी में रविवार को यहां युवाओं ने पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती रद्द करने एवं राजस्थान लोकसेवा आयोग के पुनर्गठन की मांग को लेकर कड़ा संदेश दिया। बेनीवाल ने कहा कि मेरे साथ वह किसान, बेरोजगार, शिक्षक व छात्र खड़ा है, जो अपने हक के लिए चुप नहीं बैठेगा। सरकार ने सुनवाई नहीं की तो आंदोलन पूरे राज्य में फैलाया जाएगा और विधानसभा का घेराव किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपनी मांग को लेकर राज्यपाल से भी जल्द मुलाकात करेंगे।

राजस्थान में माफियाओं की गुंडागर्दीञ्ज्पीड़ित को छ्ष्टक्चसे उलटा लटकाकर पीटा, कांग्रेस ने सरकार पर बोला हमला

बेनीवाल के आह्वान पर

रविवार को मानसरोवर में युवा आक्रोश महारैली का आयोजन किया गया। इस दौरान बेनीवाल ने कहा कि राज्य सरकार सोमवार को हाईकोर्ट में पुलिस उप निरीक्षक भर्ती रद्द करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान विरोध नहीं करे। उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती पर खामोश रहकर सरकार इसमें लिप्त मंत्रियों और अफसरों को बचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं यहां उस मां की ओर से बोल रहा हूं, जो खेत बेचकर बेटे को पढ़ा रही है। उस नौजवान की ओर से बोल रहा हूं, जो भूखे पेट कोचिंग में बैठता है और फिर भी हार नहीं मानता।

पेपरलीक मामले में कांग्रेस-भाजपा एक जैसे ही

उन्होंने पेपरलीक पर कांग्रेस और भाजपा दोनों में समानता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अब तक तो पेपरलीक होते थे, लेकिन अब ओएमआर ही बदलने की तकनीक अपना ली है। बेनीवाल ने कहा कि आरपीएससी जैसी संवैधानिक संस्था भ्रष्टाचार का गढ़ बन चुकी है, इसको भंग कर पुनर्गठन किया जाए। इसमें सदस्य के रूप में योग्य और ईमानदार अधिकारी शामिल किए जाएं।

उन्होंने सेना में अग्निवीर भर्ती करने की योजना पर विरोध दोहराया, वहीं आरोप लगाया कि बीकानेर में हुई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली में पूरी सरकारी मशीनरी और मंत्रियों के ताकत झोंकने के बावजूद भीड़ कम रही।

सरकार की ओर से दिया गया आश्वासन

महारैली के अंत में जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ और संभागीय आयुक्त पूनम भी मंच पर पहुंचे। बेनीवाल से वार्ता के बाद उन्होंने महारैली में शामिल लोगों को भरोसा दिलाया कि युवाओं के मुद्दों को सरकार गंभीरता से ले रही है। महारैली में उठी सभी मांगों को उच्च स्तर तक पहुंचाया जाएगा।

सबूत मांगने वालों को विमान पर लटकाकर पाकिस्तान ले जाना चाहिए-सीपी जोशी

उदयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और चित्तौडगढ़ सांसद सीपी जोशी ने कहा कि कुछ लोग पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। पहले सर्जिकल स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक हुई, तब भी राहुल गांधी ने कई सवाल खड़े किए थे।

अब तो ऑपरेशन सिंदूर को दुनिया ने साफ देखा है। वीडियो सामने आए, जो देश-दुनिया ने देखे। किस तरह से प'ऑपरेशन सिंदूर' के सबूत मांगने वालों को विमान पर लटकाकर पाकिस्तान ले जाना चाहिए-सीपी जोशीकिस्तान में टारगेट करके किलिंग किया गया। आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया गया। फिर भी कुछ लोगों को सबूत चाहिए। मुझे लगता है अगली बार एयरफोर्स के विमान में इनको लटकाकर ले जाना चाहिए, ताकि वहां जो हुआ, उसके फोटो खींचकर लाया।

सांसद जोशी शनिवार को उदयपुर में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने मीडिया के सवाल पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि हमारी सेना ने पाकिस्तान के कितने आतंकवादी ठिकाने लगाए, उनके एयरवेज को ध्वस्त कर दिया। कई आतंकवादियों को मार गिराया। यह भारतीय सेना की ताकत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति है। भारत ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। आने वाले समय में भी आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति स्पष्ट है।

दुनिया भारत के साथ

सांसद जोशी ने कहा कि जीरो टॉलरेंस की नीति को भारत ने, प्रधानमंत्री ने आगे बढ़ाया है। उसको पूरी दुनिया ने सहमति दी है। सर्जिकल

स्पष्ट है कि जो आतंकवाद के साथ रहेगा, वह दुनिया में अलग-अलग पड़ा रहेगा। उसकी स्थिति क्या होगी, सब लोग देख रहे हैं। देश के सभी राजनीतिक दलों के सांसद अलग-अलग दल बनाकर पूरी दुनिया में गए। ऑपरेशन सिंदूर और आतंकवाद को लेकर अपनी बात दुनिया के सामने रखेंगे।

सीएम से एक करोड़ की सहायता राशि की मांग

एसएमएस में गलत ब्लड से महिला की मौत पर भड़के खाचरियावास

जयपुर। गलत ब्लड चढ़ाने से महिला की मौत के बाद कांग्रेस सरकार में मंत्री रहे प्रतापसिंह खाचरियावास ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पीड़ित के परिवार को एक करोड़ रुपये की सहायता की मांग की है।

पूर्व मंत्री प्रताप खाचरियावास सिंह ने एसएमएस अस्पताल में गलत ब्लड चढ़ाने से एक महिला की मौत के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष भी बांदीकुई के नौजवान सचिन शर्मा की गलत ब्लड चढ़ाने से मौत हो गई थी। बीते सवा साल में इस तरह की तीन मौतें हो चुकी हैं। इसके लिए राजस्थान की सरकार जिम्मेदार है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को तुरंत प्रभाव से एसएमएस का दौरा करना चाहिए क्योंकि एसएमएस अस्पताल में ना दवाई मिल रही है, ना जांच हो रही है लेकिन गलत ब्लड चढ़ाने से मौतें जरूर हो रही हैं। पहले कभी एसएमएस अस्पताल का नाम हुआ करता था लेकिन जब से भाजपा की सरकार आई है, एसएमएस के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। ये केवल भ्रष्टाचार और लापरवाही का अस्पताल बनकर रह गया है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री और भाजपा सरकार को तुरंत प्रभाव से गलत ब्लड चढ़ाने से मौत की वेदी चढ़ी महिला के परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता देकर मामले में दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाने चाहिए। खाचरियावास ने कहा कि इस मामले में कांग्रेस चुप नहीं रहेगी। गलत ब्लड चढ़ाने से सवा वर्ष में तीन लोगों की मौत हो गई है, महिला की मौत के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार है, मुख्यमंत्री तुरंत प्रभाव से अस्पताल का दौरा करें और पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए की सहायता प्रदान करें।

हिंदू समाज की आंतरिक शक्ति बढ़ रही है-भागवत

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने एक बार फिर हिंदुओं की एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की एकता ही हिंदुओं की सुरक्षा की गारंटी हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा की शुरुआत समाज से होती है, सिर्फ राज्य से नहीं। मोहन भागवत ने कहा कि हिंदू समाज और भारत एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए है और हिंदू समाज जब सशक्त होगा, तभी भारत गौरव प्राप्त करेगा।

हिंदुओं को आत्मरक्षा के लिए तैयार रहने की दी सलाह

इस दौरान मोहन भागवत ने हिंदुओं को आत्मरक्षा के लिए तैयार रहने की भी सलाह दी। मोहन भागवत ने कहा कि आपकों खुद अपनी रक्षा करनी होगी, दूसरों का इंतजार मत करिए। जब हिंदू मजबूती से खड़े होते हैं तब दुनिया उन्हें गंभीरता से लेती है।

भागवत ने आगे कहा कि हिंदू समाज की आंतरिक शक्ति बढ़ रही

है। इसके साथ ही संगठन का विस्तार इस शक्ति को और व्यापक रूप देगा। जब तक हम यह लक्ष्य हासिल नहीं कर लेते तब तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुआ अत्याचार

मोहन भागवत ने बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर भी बात कही। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हुआ। इस अत्याचार के खिलाफ जो आक्रोश सामने आया वह पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने कहा कि अब बांग्लादेश के हिंदू कह रहे हैं- हम भागेंगे नहीं, अपने अधिकारों के लिए लड़ेंगे।

जाति और पंथ के विभाजन से ऊपर उठने की आवश्यकता

हिंदुओं को एकता पर जोर देते हुए मोहन भागवत ने कहा कि सनातन धर्म के सच्चे सार को संरक्षित करने के लिए लोगों को जाति और पंथ के विभाजन से ऊपर उठने की आवश्यकता है।

चीफ हिंदू एकता पर दे रहे जोर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (क्रस्स्) के प्रमुख मोहन भागवत ने हाल के महीनों में हिंदू एकता पर जोर देते हुए कई बयान दिए हैं। उन्होंने हिंदू समाज को जाति, भाषा और क्षेत्रीय मतभेदों को मिटाकर एकजुट होने का आह्वान किया है। भागवत ने कहा है कि हिंदू समाज की एकता भारत की वैश्विक जिम्मेदारी को पूरा करने और विश्व में शांति के दूत के रूप में स्थापित होने के लिए आवश्यक है।

बोर्ड परिक्षा में शानदार अंक प्राप्त कर महिमा ने बढ़ाया मान

जयपुर। गोविन्दपुरा स्थित पैरामाउण्ट पब्लिक स्कूल की विद्यार्थी महिमा शेखावत ने बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 89.60 प्रतिशत अंक

हासिल कर अपने माता-पिता, शिक्षकों, विद्यालय का मान बढ़ाया है। शेखावत ने इस सफलता के लिए शिक्षकों की मेहनत, माता-पिता का भरपूर सहयोग एवं परिवारजनों द्वारा समय-समय पर की गई हौसला अफजाई को प्रमुखता से माना है, साथ ही लक्ष्य प्राप्ति के लिए अटल संकल्प की परिकल्पना को साकार करने के लिए निरन्र अध्ययन, मनन, चिंतन पर बल दिया।

अवैध बजरी खनन में 'राजस्थान' के 12 जिले टॉप पर, अधिकतर मामलों में अनुसंधान अधूरा

जयपुर। राजस्थान में बजरी की वैध खानों की कमी से बड़े पैमाने पर अवैध खनन हो रहा है। राज्य के आधा दर्जन से ज्यादा जिलों में बजरी खनन माफिया हावी है। इनमें भीलवाड़ा, टोंक, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, करौली, जालोर, बालोतरा, ब्यावर जिले मुख्य हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री की ओर से ली गई समीक्षा बैठक में भी अवैध खनन का मामला उठा था। अवैध खनन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई भी कर रही है, लेकिन अनुसंधान (जांच) प्रभावी नहीं होने से खनन माफिया बेखौफ है। अवैध खनन के खिलाफ पुलिस और खान विभाग की ओर से अलग-अलग मामले दर्ज किए जाते हैं। खान विभाग तो बजरी के साथ सभी प्रकार के खनिजों के अवैध खनन के मामले दर्ज कर रहा है, लेकिन पुलिस की बजरी पर ही ज्यादा नजर है। मिलीभगत के खेल में यह कार्रवाई प्रभावी साबित नहीं हो रही।

पुलिस कार्रवाई और वाहन जब्ती में अव्वल जिले

जिला	प्रकरण	जब्त वाहन
भीलवाड़ा	325	412
टोंक	312	314
धौलपुर	169	223
सवाईमाधोपुर	122	164
करौली	68	119
जालोर	108	132
बालोतरा	60	115
ब्यावर	47	112

खान विभाग का एक्शन, 677 मामले पकड़े

उधर, खान विभाग की ओर से बजरी के अवैध खनन को लेकर अलग से कार्रवाई की गई है। इस वर्ष अब तक राज्यभर में अवैध बजरी खनन के 677 मामले दर्ज किए हैं, इनमें से 129 प्रकरणों में एफआइआर दर्ज कराई गई है। इस दौरान 626 वाहन जब्त कर 65 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनसे 2.7 करोड़ रुपए की जुर्माना राशि वसूल की गई है।

जांच अधूरी

पुलिस ने इस साल अब तक 1953 मामले दर्ज किए हैं। लेकिन इन मामलों में जांच की रफ्तार धीमी है। करीब 1002 मामलों में तो अभी अनुसंधान ही अधूरा चल रहा है। वहीं 25 मामलों को रफा-दफा कर एफआर दी जा चुकी है। वहीं 926 मामलों में चालान किया जा चुका है। खनन माफिया से कार्रवाई के दौरान 2749 वाहन भी जब्त किए गए हैं।

JCB से उल्टा लटकाकर पीटने वाले हिस्ट्रीशीटर की पुलिस ने निकाली परेड, लोगों की भीड़ हुई जमा

ब्यावर। राजस्थान के ब्यावर के रायपुर थाना क्षेत्र के गुडिया गांव में डंपर चालक को जेसीबी से बांधकर मारपीट करने के आरोपी हिस्ट्रीशीटर व बजरी माफिया व उसके साथी को रविवार को गुडिया समेत अन्य गांवों में पैदल घुमाकर तस्दीक करवाई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। आरोपी की पैदल परेड को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। वारदात में प्रयुक्त कार व जेसीबी को पुलिस ने जब्त कर लिया है।

कोरोना से फिलहाल चिंतित होने की जरूरत नहीं-राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री

जयपुर,। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने शनिवार को कहा कि कोरोना से परेशान होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि फिलहाल सब कुछ नियंत्रण में है।

देशभर में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। प्रत्येक राज्य का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। लेकिन, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री कोरोना की वजह से फिलहाल चिंतित नहीं हैं।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा, देश में 140 करोड़ की जनसंख्या है। इसमें अबतक 246 लोग संक्रमित हुए हैं। कोरोना का जो नया वेरिएंट है वह उतना खतरनाक नहीं है। फिलहाल कोरोना चिंता का विषय नहीं है। लेकिन, अभी से अलर्ट रहना हम

सभी के लिए सही होगा।

कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मुंबई, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम जैसे बड़े शहरों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। लगातार बढ़ती मरीजों की संख्या ने आम जनता में डर का माहौल बना दिया है।

सवाई मानसिंह अस्पताल में एक गर्भवती महिला को गलत ब्लड ग्रुप का खून चढ़ाने को लेकर हाई पावर कमेटी बनाई गई है जो तथ्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह तय करेगी कि किस स्टाफ की गलती थी जिसकी वजह से यह घटना हुई।

इस मुद्दे पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, जांच की जा रही है। जो भी जिम्मेदार होगा उसे सजा दी जाएगी। हनुमान बेनीवाल सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा रद्द करने को लेकर रविवार को बड़ी रैली करने वाले हैं। इस पर गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा, हनुमान बेनीवाल दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं कमेटी का सदस्य हूं, हम पूरी जांच कर रहे हैं, कोर्ट ने एक डेट दी है। हम कोर्ट में रिपोर्ट सौंपेंगे हम दबाव में कोई निर्णय नहीं लेंगे।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने सुनी आमजन की परिवेदनाएं-समस्याओं का हुआ समाधान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जनभावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं की सुनवाई और त्वरित समाधान के लिए जयपुर जिले में नियमित जनसुनवाई एवं रात्रि चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में कालवाड़ तहसील की बेगस ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल कार्यक्रम जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर की अपील पर 128 लोगों ने गिव अप अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा

योजना से नाम हटवाने की सहमति दी एवं 30 से अधिक लोगों ने पीएम सूर्यघर बिजली योजना का लाभ लेने का संकल्प लिया।

रात्रि चौपाल कार्यक्रम में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ग्रामीणों के साथ संवाद किया और उनकी परिवेदनाएं सुनीं। रात्रि चौपाल में प्रमुख रूप से पेयजल, विद्युत, सड़क, चिकित्सा, पेंशन, पट्टे, राजस्व रिकॉर्ड शुद्धि, अतिक्रमण, श्मशान एवं खेल मैदान हेतु भूमि आवंटन से संबंधित परिवाद प्राप्त हुए जिनमें से अधिकतर परिवादों का निस्तारण मौके पर किया गया। जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों अधिकारियों को शेष परिवादों का समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान जिला कलक्टर ने ग्रामीणों से राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर फीडबैक भी लिया एवं अधिकारियों को योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के साथ-साथ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिये।

रात्रि चौपाल के दौरान राजस्व रिकॉर्ड में त्रुटियों से संबंधित मामलों का निस्तारण मौके पर ही किया गया। इसके साथ-साथ किसानों को जागरूक करने के लिए खेती री बातां, कृषि पत्रिका के बारे में जानकारी दी गई, एवं संबंधित विभाग को कृषि संबंधी नवाचारों से किसान जन को जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया। सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों को अपने-अपने विभागों से संबंधित परिवादों का निस्तारण संवेदनशीलता के साथ करने के लिए निर्देशित किया गया। रात्रि चौपाल के दौरान उपखंड अधिकारी राजेश जाखड़, तहसीलदार जयपाल सिंह सहित अन्य विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन धरकरभर की बड़ी सफलता, 10 साल से फरार 15 हजार के इनामी को पकड़ा

जोधपुर। जोधपुर ग्रामीण पुलिस की जिला विशेष टीम (ष्ठस्ञ्ज) ने ऑपरेशन धरकरभर के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए लगभग 10 वर्षों से फरार चल रहे 15 हजार रुपये के इनामी अपराधी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कालू सिंह, मध्यप्रदेश के नीमच कैंट थाना क्षेत्र का निवासी है और बिलाड़ा थाना क्षेत्र के एनडीपीएस प्रकरण में वांछित था।

जोधपुर रेंज के निर्देश पर चला अभियान

जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर रेंजभर में वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए ऑपरेशन धरकरभर चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत जोधपुर ग्रामीण की डीएसटी टीम को यह बड़ी सफलता हाथ लगी है।

10 साल से था फरार, अब चढ़ा पुलिस के हत्थे

प्रकरण संख्या 89/2014, थाना बिलाड़ा के तहत एनडीपीएस मामले में वांछित चल रहे कालू सिंह पुत्र करण सिंह, निवासी सगराना (थाना नीमच कैंट, मध्यप्रदेश) को पुलिस ने दस्तयाब किया है। आरोपी को पुलिस ने गोपनीय सूचना के आधार पर गिरफ्तार किया और अग्रिम अनुसंधान हेतु थाना बिलाड़ा के सुपुर्द कर दिया।

जिला विशेष टीम ने निभाई अहम भूमिका

इस कार्रवाई में एएसपी जोधपुर ग्रामीण रघुनाथ गर्ग के सुपरविजन में डीएसटी प्रभारी लाखाराम के नेतृत्व में पुलिसकर्मी मुकनसिंह, राकेश नेहरा और अशोक भाटी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मनुष्य के मौलिक सृजन को संरक्षित करना बड़ी चुनौती

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है।

(लेखक - ललित गर्ग)

(विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस- 26 अप्रैल 2025)

रचनात्मकता, सृजनात्मकता और संरचनात्मकता मनुष्य की स्वाभाविक वृत्ति है, मानव की इन मौलिक विशेषताओं एवं उपलब्धियों को उचित सम्मान मिले, उचित प्रोत्साहन एवं पारिश्रमिक मिले, ऐसे नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए ही हर साल 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य बौद्धिक संपदा (आईपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है और नवाचार तथा रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने में आईपी की भूमिका को उजागर करना है। कृत्रिम बौद्धिकता के दौर में मानव की स्वतः स्फूर्त बौद्धिकता का संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन ज्यादा जरूरी है। 2025 की थीम 'आईपी और संगीतः आईपी की धड़कन महसूस करें' है। यह संगीत उद्योग में बौद्धिक संपदा (आईपी) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देता है, इस थीम का उद्देश्य आईपी के माध्यम से संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करना और उन्हें उनके काम के लिए उचित मान्यता दिलाना है। 26 अप्रैल को विश्व बौद्धिक संपदा दिवस के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि इसी दिन 1970 में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन की स्थापना करने वाला कन्वेंशन लागू हुआ था। यह दिन बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क आदि के महत्व को उजागर करता है, जो नवाचार और रचनात्मकता को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

बौद्धिक संपदा दिमाग की रचनाओं से संबंधित है, जैसे आविष्कार, साहित्यिक सृजन, संगीत, कला और कलात्मक कार्य, डिजाइन और व्यापार में उपयोग किए जाने वाले प्रतीक, नाम और चित्र आदि। ऐसे रचनात्मक काम जो पहले नहीं किया गया हो, ये हमारी बौद्धिक संपदा है। इस रचनात्मक सम्पदा का कोई दूसरा अनाधिकृत उपयोग नहीं सके, इसके लिए हमें अपनी बौद्धिक संपदा को सुरक्षित एवं संरक्षित करवाना चाहिए। इसी उद्देश्य से यह दिवस बौद्धिक संपदा संरक्षण के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देता है, दुनियाभर में बौद्धिक संपदा संरक्षण के प्रभाव को विस्तार देता है, देशों से बौद्धिक संपदा संरक्षण कानूनों और विनियमों को प्रचारित और लोकप्रिय बनाने का आग्रह करता है, बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में सार्वजनिक कानूनी जागरूकता बढ़ाता है। इसके साथ ही इसका बड़ा उद्देश्य है विभिन्न देशों में आविष्कार-नवाचार गतिविधियों को प्रोत्साहित करना और बौद्धिक संपदा क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान को मजबूत करना है। भारत भी विश्व बौद्धिक संपदा संगठन का सदस्य है। इस संगठन की स्थापना 14 जुलाई 1967 को हुई थी, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्जरलैंड में है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उद्भव एवं प्रचलन का बौद्धिक संपदा (आईपी) ढांचे पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है, जो एक बड़ी चुनौती है। हमें एआई जैसे नवाचार प्रोत्साहनों के उभरते परिदृश्य और मौजूदा आईपी ढांचे के लिए इसके द्वारा उत्पन्न चुनौतियों पर मंथन करना होगा। पेटेंट योग्यता दुविधाओं से लेकर कॉपीराइट पहेली तक, हम पाते हैं कि तेजी से तकनीकी प्रगति के बीच नवाचार को बढ़ावा देने और सामाजिक हितों की रक्षा करने के बीच एक नाजुक संतुलन है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकी और इंटरनेट के साथ हमारे संपर्क के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। जैसे-जैसे एआई अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रहा है, इसका बौद्धिक संपदा के संरक्षण पर चुनौतीपूर्ण गहरा प्रभाव पड़ रहा है। चैटजीपीटी जैसे एआई चैट बॉट अविश्वसनीय रूप से परिष्कृत मानव-जैसे लिखित उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि भाषा मॉडल की प्रश्नों और कार्यों को समझने और उन टेक्स्ट और डेटा के आधार पर प्रतिक्रियाएं देने की क्षमता है, जिन पर इसे प्रशिक्षित किया गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता अन्य क्षेत्रों में भी भी जैसे कला, लेखन, युद्ध, व्यापार, प्रबंधन, संगीत, फिल्म-निर्माण आदि में भी दखल बढ़ रहा है। एआई सार्वजनिक क्षेत्र में पहले से कहीं ज्यादा है और व्यवसाय में इसकी भूमिका दिनोंदिन बढ़ रही है।

इसी के साथ बौद्धिक सम्पदा के सम्मुख सोशल मीडिया भी एक बड़ी चुनौती है। क्योंकि सोशल मीडिया के दौर में हर कोई दूसरों की रचनात्मकता एवं मौलिक सृजन को अपना बता कर पेश कर रहा है। इसलिए हर व्यक्ति को अपनी बौद्धिक संपदा के लिए जागरूक होना होगा। प्रत्येक व्यक्ति में कुछ अलग और रचनात्मक एवं मौलिक काम करने की क्षमता होती है। हम अपनी बौद्धिक संपदा को पांच तरीके से संरक्षित कर सकते हैं। इसमें पहला है कॉपीराइट, दूसरा पेटेंट, तीसरा ट्रेडमार्क, चौथा है औद्योगिक डिजाइन और पांचवा है भौगोलिक संकेतक। अगर आप कुछ लिखते हैं, जो आपका मौलिक लेखन है तो आप कॉपीराइट करा सकते हैं। इसके बाद व्यापार के क्षेत्र में होता है ट्रेडमार्क, जो आपका सिंबल होता है, जो किसी संस्था, कंपनी की पहचान के लिए होता है, उसे अगर ट्रेडमार्क करवा सकते हैं तो कोई दूसरा उस सिंबल का उपयोग नहीं कर सकेगा। अगर आपने कोई आविष्कार किया है तो उसे पेटेंट करा कर सुरक्षित रख सकते हैं। इसके बाद आता है औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक संकेतक।

इस वर्ष की थीम संगीत पर केन्द्रित है। संगीत ने हमेशा लोगों को जोड़ने, बदलाव को प्रेरित करने और सांस्कृतिक विकास को आगे बढ़ाने में एक अनूठी भूमिका निभाई है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आईपी अधिकार संगीतकारों और अन्य संगीत रचनाकारों की रचनाओं की रक्षा करते हैं। विश्व बौद्धिक संपदा दिवस डब्ल्यूआईपीओ का सबसे बड़ा बौद्धिक संपदा (आईपी) सार्वजनिक जनजागृति अभियान है। कॉपीराइट और अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार संगीत उद्योग की प्रभावी मदद करते हैं। वे सुनिश्चित करते हैं कि संगीत रचनाकारों को उनके काम का श्रेय और भुगतान मिले। यह दिन यह भी दिखाएगा कि इन अधिकारों की मदद से संगीत को बेहतर बनाने में रचनात्मकता और नए विचार कितने महत्वपूर्ण हैं।

आधुनिक समय में संगीत बौद्धिक एवं आर्थिक सम्पदा का बड़ा माध्यम है। आज की आपाधापी, तनाव एवं अवसादपूर्ण जीवन में संगीत ही एक ऐसा माध्यम है जो शांति, सुकून एवं आनन्द प्रदत्त कर सकता है। संगीत सुनने से इंसान को अलौकितता का अहसास होता है। डॉक्टर भी संगीत को सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं। संगीत को लेकर हुए अध्ययनों में पता चला है कि संगीत शरीर में बदलाव लाता है, जो स्वास्थ्य में सुधार एवं शांति स्थापित करता है। इसके अलावा जो मरीज अवसाद और निराशा के शिकार होते हैं, उन्हें इससे बाहर निकालने के लिए संगीत थेरेपी दी जाती है। संगीत मन और शरीर दोनों को ही आराम पहुंचाता है। संगीत अमूर्त कला है पर उसमें निहित शांति, सौन्दर्य एवं संतुलन की अनुभूति विरल है। संगीत अशांति के अंधेरों में शांति का उजाला है। यह अंतर्मन की संवेदनाओं में स्वरों का ओज है। इसीलिये संगीत एक बड़ी बौद्धिक सम्पदा है।

शादी में ढोलक-शहनाई, भजन-मंडली में ढोल-मंजीरा, शास्त्रीय संगीत में तानपूरा, तबला, सरोद, सारंगी का हम सब भरपूर आनंद उठाते हैं। बचपन में संपेरों द्वारा बीन बजाते ही लहराते हुए सांप का खेल भी हमने खूब देखा है। इन संगीत प्रस्तुतियों से जुड़े कलाकार एवं संगीतकारों के लिये यह उनकी बौद्धिक सम्पदा है। यह दिन इन बौद्धिक संपदा से जुड़े अधिकारों के संरक्षण के महत्व को रेखांकित करता है, जो रचनाकारों और आविष्कारकों को उनके काम के लिए पुरस्कृत करने में मदद करता है एवं उनके उचित पारिश्रमिक को सुनिश्चित करता है। वैश्विक स्तर पर, युवा लोग नवाचार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, अपनी ऊर्जा और सरलता, अपनी जिज्ञासा और सरलता का उपयोग करके बेहतर भविष्य का मार्गदर्शन कर रहे हैं। नये विश्व के निर्माण में बौद्धिक सम्पदा की प्रभावी भूमिका है। तकनीकी विकास एवं आर्थिक प्रतिस्पर्धा के दौर में बौद्धिक सम्पदाओं को संरक्षित करते हुए बौद्धिक सम्पदाओं के रचनाकारों एवं मौलिक सृजनकर्ता के अधिकारों की रक्षा करना ही इस दिवस का ध्येय है और इसी में इस दिवस की सार्थकता है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सुरक्षित दूरी, स्वच्छता- सजगता ही उपचार

दुनिया मानकर चल रही थी कोरोना संक्रमण का काला दौर हमेशा-हमेशा के लिये चला गया है। पिछले कुछ वर्षों से जन-जीवन फिर पटरी पर लौट रहा था। विश्व के कुछ क्षेत्रों में जारी युद्ध और अन्य विषम परिस्थितियों के बीच जारी आर्थिक उथल-पुथल के बावजूद अर्थव्यवस्थाएं कोरोना से पहली स्थिति में पहुंचने के लिये जद्दोजहद कर रही थी। लेकिन कोरोना की नई दस्तक ने चिंताएं बढ़ा दी हैं। कोरोना संक्रमण की वापसी की आहट पहले हांगकांग व सिंगापुर में सुनाई दी। हांगकांग में कुछ ही मामलों में तीस लोगों के मरने की खबर है। वहीं सिंगापुर में एक मई तक कोरोना संक्रमितों की संख्या 14 हजार से अधिक थी, जिसमें 19 मई तक तीन हजार नये संक्रमित जुड़ गए हैं। जिस चीन से कोरोना वायरस सारी दुनिया में फैला, वहां भी कोरोना के मामले तो बढ़े हैं लेकिन इस संख्या को सार्वजनिक नहीं किया गया। वहीं चीन का स्वास्थ्य विभाग कोरोना के मामलों में तेजी आने की आशंका जता रहा है। चिंता इस बात की भी है कि भारत में केरल, महाराष्ट्र व तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए गए। बताया जा रहा है कि एक जनवरी से 19 मई तक देश में ढाई सौ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। मुंबई के अस्पताल में भर्ती दो मरीजों की संक्रमण से हुई मौत को लेकर भी चिंता जतायी जा रही है। हालांकि, अस्पताल का दावा है कि एक रोगी कैंसर तो दूसरा किडनी से जुड़ी गंभीर बीमारी से पीड़ित था। बहरहाल, कोरोना के नये वायरस के संक्रमण को लेकर सरकार के स्तर पर गंभीर प्रयास करने तथा नागरिकों को सजग-सतर्क रहने की जरूरत है। कोरोना संक्रमण की पिछली कई लहरों से सबक लेकर उपचारात्मक नीतियों के क्रियान्वयन व चिकित्सा सुविधाओं को विस्तार देने की जरूरत है। इससे पहले कि वायरस अनियंत्रित हो, सरकार व स्वास्थ्य एजेंसियों को बचाव के उपाय युद्ध स्तर पर करने चाहिए। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बार के संक्रमण के लिये ओमिक्रोन के नये वेरिएंट जे.ए.1 तथा वेरिएंट एल.एफ.7 और एन.बी.18 जिम्मेदार हैं। बताया जा रहा है कि जे.एन.1 वेरिएंट बहुत तेजी से फैलता है। विश्व के स्वास्थ्य विशेषज्ञ बता रहे हैं कि नये वेरिएंट से पीड़ित लोगों में गले में खराश, नींद न आना, छींके आना, खांसी, एंग्जाइटी, नाक बहना, खांसी, सिरदर्द, कमजोरी, थकान व मांसपेसियों में दर्द की शिकायत शामिल हो सकती है। हालांकि, इनमें से कुछ आम इंफ्लूएंजा के लक्षण भी हो सकते हैं। ऐसे में कोरोना संक्रमण का टेस्ट करवाना भी जरूरी हो जाता है। वैसा कहना मुश्किल है कि कोरोना का वायरस हमारे बीच से चला गया। वह कहीं गया नहीं बल्कि टीकाकरण से मिली हमारे शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता ने उसे रोक दिया। लेकिन दिक्कत यह है कि मौसम परिवर्तन चक्र के बीच में म्यूटेशन से इसके नये वेरिएंट सामने आते हैं। जिनका मुकाबला करने व शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को इन्हें समझने में थोड़ा वक्त लगता है। निस्संदेह, यह एक चुनौती है, लेकिन इससे घबराने की नहीं, समझदारी और सतर्कता से निपटने की जरूरत है। पिछली कई बड़ी कोरोना संक्रमण की लहरों ने हमें इस संक्रमण से मुकाबले के सबक दिए हैं। एक समय था जब हमारा चिकित्सा ढांचा इसके मुकाबले के लिये तैयार न था। जीवनदायिनी ऑक्सीजन की उत्पादन क्षमता और भंडारण में हम अब आत्मनिर्भर हैं। दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीन अभियान चलाकर हमने 140 करोड़ लोगों को सुरक्षा कवच प्रदान किया है। हमने अपने नागरिकों को ही सुरक्षा कवच नहीं दिया, बल्कि पूरी दुनिया के अनेक देशों को भारत की वैक्सीन व चिकित्सा सामग्री देकर एक मिसाल कायम की है। दरअसल, कोरोना संक्रमण से बचने के वही उपाय हमें सुरक्षा देंगे, जो हमने पिछले संक्रमण लहरों में सफलतापूर्वक अपनाए थे।

फिर देश की जीवन रेखा बन जाएगा जल संचयन

वर्षा जल संरक्षण अभियान/ दीपक कुमार शर्मा

वर्षा जल संचयन एक पारंपरिक लेकिन अत्यंत प्रभावी तकनीक है, जो वर्षा के जल को इकट्ठा कर विभिन्न उपयोगों हेतु संग्रहीत करती है। भारत में बढ़ते जल संकट और शहरीकरण के चलते इसकी महत्ता और आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यह एक पर्यावरण-संवेदनशील, कम लागत और टिकाऊ समाधान प्रदान करता है। भारत में वर्षा जल संचयन बाजार का मूल्य वर्ष 2024 में लगभग 263 मिलियन अमेरिकी डॉलर आंका गया था। इसके 2030 तक 378 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। वर्षा जल संचयन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें वर्षा के जल को इकट्ठा करके, संगृहीत कर विभिन्न उपयोगों हेतु प्रयोग किया जाता है। जिससे यह जल व्यर्थ बहने के बजाय एक उपयोगी संसाधन बन जाता है। एक टिकाऊ तकनीक छतों, ज़मीन की सतहों अथवा अन्य संग्रहण क्षेत्रों से वर्षा जल को पाइपों या नालियों के माध्यम से टंकियों, हौदों अथवा जलाशयों में पहुंचाकर संचयित करती है। यह एक प्राचीन परंपरा है, जिसे आज जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए पुनः अपनाया जा रहा है।

संगृहीत वर्षा जल का उपयोग सिंचाई, घरेलू जरूरतों, औद्योगिक प्रक्रियाओं और भूजल पुनर्भरण के लिए किया जा सकता है। यह न केवल नगरपालिका जल आपूर्ति पर निर्भरता को घटाता है, बल्कि मिट्टी के कटाव को रोकने और शहरी बाढ़ को कम करने में भी सहायक होता है। इसके अतिरिक्त, यह आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है और अनिश्चित वर्षा वाले क्षेत्रों में एक स्थायी जल स्रोत उपलब्ध कराता है। यह पर्यावरण-मित्र विधि विशेष रूप से शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अत्यंत लाभदायक है, जहां जल संसाधनों की भारी कमी है। यह एक कम लागत और सरल पद्धति है, जिसे व्यक्तिगत आवासों से लेकर सामुदायिक परियोजनाओं तक विभिन्न स्तरों पर अपनाया जा सकता है। यदि इसे शहरी और ग्रामीण योजना में समाहित किया जाए तो जल संकट का समाधान संभव है और टिकाऊ जल प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकता है।

केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा जल प्रबंधन को लेकर सख्त नीतियां लागू की गई हैं। जैसे कि 'अमृत मिशन' में वर्षा जल संचयन को शहरी जल संकट के समाधान का अभिन्न अंग बनाया गया है। तमिलनाडु जैसे राज्यों ने सभी भवनों में वर्षा जल संचयन को अनिवार्य कर दिया है, जो अब देश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जा रहा है। तमिलनाडु ने यह पहल 2001 में शुरू की गई थी। इसके अलावा, स्थानीय निकाय करों में छूट और वित्तीय सहायता भी प्रदान करते हैं जिससे इन प्रणालियों की स्थापना को प्रोत्साहन मिलता है। 2023 में केंद्रीय भूजल बोर्ड के अध्ययन के अनुसार, तमिलनाडु में निगरानी किए गए 72 फीसदी कुओं में भूजल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई है। जलवायु परिवर्तन के प्रभाव जैसे अनियमित वर्षा और सूखे की घटनाओं ने वर्षा जल संचयन की आवश्यकता को बढ़ा दिया है। गैर-सरकारी संगठनों, स्कूलों और मीडिया द्वारा चलाए जा रही जागरूकता अभियानों ने लोगों को इस दिशा में प्रेरित किया है।

भारत का शहरीकरण तीव्र गति से हो रहा है—2021 में लगभग 500 मिलियन की शहरी आबादी 2031 तक 600 मिलियन तक पहुंचने की संभावना है। शहरी क्षेत्र जहां कंक्रीट का वर्चस्व होता है, वहां वर्षा जल का प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण बहुत कम हो पाता है। ऐसी स्थिति में वर्षा जल संचयन एक अनिवार्य आवश्यकता बन गया है।

दरअसल, इस अभियान की एक प्रमुख चुनौती जनसामान्य में तकनीकी जानकारी और जागरूकता की कमी है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। अनेक लोग इसे जटिल और महंगा मानते हैं, जिससे इसका व्यापक स्तर पर क्रियान्वयन प्रभावित होता है। तकनीकी विशेषज्ञता की कमी, गलत डिज़ाइन और रखरखाव में लापरवाही के कारण कई प्रणालियां विफल हो जाती हैं। इसके अतिरिक्त, वित्तीय बाधाएं भी हैं। गरीब वर्ग और छोटे किसान इस प्रणाली की लागत वहन नहीं कर पाते, जबकि सरकारी सब्सिडी कई बार पर्याप्त नहीं होती या उन तक पहुंच नहीं पाती।

अब वर्षा जल संचयन में स्मार्ट तकनीक का प्रयोग होने लगा है। सेंसर-आधारित प्रणालियां, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और डेटा विश्लेषण की मदद से जल स्तर की निगरानी, गुणवत्ता परीक्षण और स्वचालित नियंत्रण संभव हो गया है। उदाहरण के लिए, टंकियों में लगे सेंसर पानी की मात्रा और स्वच्छता के स्तर की जानकारी देते हैं। शहरी क्षेत्रों में अब विकेंद्रीकृत वर्षा जल संचयन प्रणालियां लोकप्रिय हो रही हैं, जो एक-एक भवन या समाज स्तर पर काम करती हैं। यह प्रणाली नगरपालिका पर निर्भरता को घटाकर स्थानीय स्तर पर जल संकट का समाधान करती है। ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणीकरण और सरकारी प्रोत्साहनों ने इसे और बल दिया है।

उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार के अनुसार, 'मेरा पानी - मेरी विरासत' जैसी पहल से 2023-24 में लगभग 24.87 खरब लीटर पानी की बचत की गई। सितंबर, 2024 में प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत में 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान की शुरुआत की, जो 'जल शक्ति अभियान : कैच द रेन' के तहत समुदाय-आधारित जल संरक्षण को बढ़ावा देती है। फरवरी, 2023 में स्ट्रोमसेवर ने दो नई घरेलू वर्षा जल संचयन प्रणालियां पेश कीं, जो विशेष रूप से गर्मियों में जल संकट और आवासीय मांग को ध्यान में रखकर डिज़ाइन की गई हैं।

यदि सही नीति, जागरूकता और तकनीकी सहायता जल संचयन को मिलती रहे तो यह देश के जल संकट का एक स्थायी समाधान बन सकता है। विशेषकर हरियाणा जैसे राज्यों में जहां भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है, वहां इस प्रणाली को अनिवार्य रूप से अपनाना आवश्यक हो गया है। सरकार, समाज और उद्योगों के सम्मिलित प्रयासों से ही बात बनेगी।

(चिंतन-मनन)

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकर्ताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा-बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ। उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया।

शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को निठल्ले नहीं बैठना है। तभी अवंतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हखा के कायाकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर आवंतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

विचार मंथन

5.50 लाख मस्जिदों के ईमाम नहीं पढ़ाएंगे जनाजे की नमाज

(लेखक- सनत जैन)

ऑल इंडिया इमाम आर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम डॉक्टर अहमद इलियासी ने एक फतवा 27 अप्रैल को जारी किया है। जिसमें कहा गया है, आतंकवादी शैतान होता है। किसी भी आतंकवादी के साथ शैतान की तरह ही व्यवहार किया जाना चाहिए। उन्होंने अपने फतवे में कहा कि भारत के अंदर कोई भी आतंकवादी मारा जाता है, ऐसी स्थिति में उसके जनाजे की नमाज कोई ईमाम नहीं पढ़ाएगा। भारत के कब्रिस्तान में उसे दफनाया भी नहीं जाए। उन्होंने 5.50 लाख मस्जिदों के इमाम को फतवा भेजा है। लव जिहाद के मामले में भी इलियासी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा है, समाज में कुछ लोग नाम और पहचान छुपाकर शादी या निकाह करते हैं, यह गलत है। इलियासी ने कहा कि इस्लाम, शांति प्रेम और सहिष्णुता का धर्म है। इस्लाम आतंकवाद का धर्म नहीं है। डॉ. इलियासी ने पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारतीय सेना द्वारा जो ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया, उसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सटीक और सही जवाब दिया है। यह आपरेशन भारत के लिए गर्व की बात है। उन्होंने बलूचिस्तान को भी स्वतंत्रता देने की वकालत की। डॉ इलियासी ऑल इंडिया इमाम ऑर्गेनाइजेशन के चीफ इमाम है, उन्होंने जो फतवा जारी किया है, निश्चित रूप से उसका पालन भारत की सभी मस्जिदों और कब्रिस्तानों में होगा। आतंकवादियों के जनाजे की नमाज कोई इमाम नहीं पढ़ाएगा, तो मुस्लिम समाज के बीच में इसका एक बेहतर संदेश जाएगा। इसके साथ ही भारत के सभी वर्गों के नागरिकों के बीच में भी यह संदेश जाएगा। मुस्लिम धर्म को मानने वाले लोग आतंकवादियों को शैतान मानते हैं। अतः जो आतंकवादी यह मानकर चलते हैं, वह इस्लाम की लड़ाई लड़ रहे हैं, उन्हें मरने पर जन्नत नसीब होगी। इस फतवे ने आतंकवादियों को भी बड़ा संदेश दे दिया है। इस्लाम में आतंक के लिए कोई स्थान नहीं है। इस्लाम में आतंक को शैतान का कार्य माना गया है। शैतान का मस्जिद में प्रवेश हो ही नहीं सकता है। शैतान मरते हैं, तो उनके जनाजे की नमाज भी मस्जिद में नहीं होनी चाहिए। यह संदेश देकर उन्होंने भारत में इस्लाम धर्म और भारत के सभी धर्म के बीच के भाईचारे को मजबूत करने का काम किया है। निश्चित रूप से किसी भी धर्म के मूल में शांति, सद्भाव और सेवा का ही वर्णन मिलता है। सभी धर्म में मानवीय आचरण में शांति, प्रेम और सद्भाव को ही धर्म बताया गया है। जिस तरह से मुस्लिम समाज के इमाम डॉक्टर अहमद इलियासी ने जब सारी दुनिया में आतंकवाद बढ़ रहा है, ऐसे समय पर उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ फतवा जारी करके मुस्लिम समुदाय के साथ-साथ भारत और दुनिया के सभी देशों के नागरिकों को शांति का संदेश देने की कोशिश की है। इसकी जितनी सराहना की जाए, कम है। इसके साथ ही अन्य धर्म के धार्मिक गुरुओं को भी आगे आकर शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश देना चाहिए। तभी मानवीय समाज का उत्थान और विकास संभव है। भारत इस मामले में दुनिया के सभी देशों में सबसे अलग है। हजारों वर्षों से भारत में विभिन्न संस्कृति, विभिन्न धर्मों और विभिन्न भाषाओं के लोग यहां पर रहते हैं। जैसे पानी में दूध या तो दूध में पानी मिलकर एक दूसरे में आत्मसात हो जाते हैं। ठीक उसी तरह से भारत की संस्कृति वसुदेव कुटुंब की रही है। भारत की संस्कृति में प्रकृति की पूजा का प्रावधान है। भारत में जन्म लेने वाले और रहने वाले सभी लोग एक दूसरे की संस्कृति और एक दूसरे के विचारों को आत्मसात करते हैं। जिसके कारण ही भारत दुनिया का सर्वश्रेष्ठ देश अनादिकाल से है, आगे भी रहेगा। हाल के वर्षों में जिस तरह से सांप्रदायिक उन्माद फैलाया जा रहा है। धर्म की सीढ़ी के माध्यम से सत्ता प्राप्त करने के लिये जिस तरह का आतंक फैलाया जा रहा है। यह सभी को समझ आने लगा है। पहलगाम की साजिश घटना को जिस तरह से हिंदू और मुस्लिम के बीच तनाव पैदा करने की कोशिश आतंकवादियों और सत्ता में बैठे हुए कुछ लोगों द्वारा की गई थी, उसे भारत के लोगों ने नकार दिया है। भारतीय मुसलमानों ने पहलगाम की इस आतंकवादी घटना के बाद जिस तरह से सारे देश और दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता संदेश दिया है। वह निश्चित रूप से सराहनीय है। इसका असर दीर्घकालीन होगा। आतंकवाद के खिलाफ सभी धर्मों के धर्म गुरुओं को आगे आकर धर्म को आगे करके जो आतंकवाद की लड़ाई हो रही है, आहुति डालनी होगी। तभी भारत और दुनिया के देशों को आतंकवाद से निजात मिलेगी। मानवीय जीवन में प्रकृति में जितने भी जीव है। उनके पोषण करने, उनकी रक्षा करने का दायित्व मानव समाज पर है। सभी धर्म के मूल गुण में यह शामिल है। सभी धार्मिक गुरु इस मामले में आगे आकर पहल करेंगे, तो निश्चित रूप से भारत सहित दुनिया के सभी देशों में शांति का एक नया वातावरण बनेगा। भारत सहित दुनिया के देशों से सत्ता संरक्षित आंतक समाप्त होगा।

सेना के शौर्य ने हर हिंदुस्तानी का सिर गर्व से ऊंचा किया

पीएम मोदी ने मन की बात के 122वें एपिसोड में किया ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 122वें एपिसोड के ज़रिए देशवासियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को बदलते भारत की तस्वीर बताया। पीएम मोदी ने कहा कि आज पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट खड़ा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना के शौर्य ने हर हिंदुस्तानी का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया है। यह सिर्फ एक सैन्य ऑपरेशन नहीं, बल्कि हमारे साहस, संकल्प और आत्मनिर्भर भारत की शक्ति का प्रतीक है।

पीएम मोदी ने आगे कहा कि हमारे जवानों ने आतंक के अड्डों को तबाह किया। यह उनका अदम्य साहस था और इसमें शामिल थी भारत में बने हथियारों, उपकरणों और टेक्नोलॉजी की ताकत। उसमें आत्मनिर्भर भारत का संकल्प भी था। इस अभियान के बाद पूरे देश में वोकल फॉर लोकल को लेकर नई ऊर्जा नजर आ रही है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में स्वदेशी हथियारों और तकनीक का जबरदस्त प्रदर्शन हुआ, जिसने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और मजबूत किया। देशभर में इस अभियान को लेकर जनमानस में जोश देखने को मिला है तिरंगा यात्राओं से लेकर बच्चों की पेंटिंग्स और कविता लेखन तक हर कोई अपनी तरह से सेना को सलाम कर रहा है।

पीएम मोदी ने नक्सलवाद-प्रभावित इलाकों में हो रहे सकारात्मक बदलावों का भी उल्लेख किया। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के काटेझरी गांव का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि पहली बार इस गांव में बस पहुंची है, जिससे माओवादी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। साथ ही दंतेवाड़ा जिले की शिक्षा में हुई प्रगति पर भी पीएम मोदी ने खुशी जाहिर की। गिर के जंगलों में शेरों की आबादी में उल्लेखनीय वृद्धि पर भी पीएम मोदी ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में यह संख्या 674 से बढ़कर 891 हो गई है। उन्होंने वन्यजीव संरक्षण के प्रयासों और स्थानीय लोगों की भागीदारी की सराहना की।

पीएम मोदी ने ड्रोन दीदी योजना का उल्लेख करते हुए बताया कि अब गांवों की महिलाएं ड्रोन ऑपरेटर बनकर खेती में क्रांति ला रही हैं।

तेलंगाना की महिलाएं अब 50 एकड़ तक फसलों पर दवा का छिड़काव कर रही हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नया आत्मविश्वास आया है। 21 जून को मनाए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पीएम मोदी ने देशवासियों को इससे जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि योग

जीवन जीने का तरीका बदल सकता है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे योगआंध्र अभियान का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि इस अभियान में 10 लाख लोगों को जोड़ने का लक्ष्य रखा है। पीएम मोदी का यह मासिक कार्यक्रम अब देश-विदेश में लोकप्रियता हासिल कर चुका है। यह 22 भारतीय भाषाओं, 29 बोलियों और 11 विदेशी भाषाओं में प्रसारित होता है।

एएसआई ने बैठने का कारण पूछा तो बरसा दिए तीर, एक सीने में धंसा

लखनऊ।

सीबीआई दफ्तर के सुरक्षा कर्मचारी एएसआई वीरेंद्र सिंह पर हमला करने का वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि आरोपी ने सबसे पहले मुख्य गेट पर एएसआई को बाण मारा। जब बाण उनके पेट में घुस गया और वह घायल होकर अंदर भागे, तो आरोपी उनके पीछे भी आया और अंदर जाकर दूसरा बाण भी चला दिया। आरोपी दिनेश मुर्मू पर कई आपराधिक मामले, पुलिस ने गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई जिससे वो कई बार जेल जा चुका है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी का नाम दिनेश मुर्मू है, जिसकी उम्र 50 साल है। वह बिहार का रहने वाला है। यह घटना शुक्रवार को हुई। उस दिन लखनऊ पुलिस लाइन से तैनात एएसआई वीरेंद्र सिंह सुरक्षा में ड्यूटी पर थे। तभी आरोपी दिनेश मुर्मू वहां पहुंचा। उनसे पूछताछ करने पर उसने झोले से धनुष और बाण निकाला और वीरेंद्र सिंह पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। इस घटना से वहां मौजूद पुलिसकर्मियों में भगदड़ मच गई। लेकिन, एक अन्य सुरक्षाकर्मी ने साहस दिखाते हुए आरोपी को डंडे से पीटकर जमीन पर गिरा दिया, जिसके बाद उसे पकड़ लिया गया। जानकारी के मुताबिक, आरोपी पहले भी जेल जा चुका है। वह बिहार में रेलवे में नौकरी करता था, लेकिन साल 2000 में अपने गुस्से और आक्रामक स्वभाव की वजह से रेलवे से निकाल दिया गया। इसके बाद साल 2005 में दिल्ली पुलिस के सिपाही से मारपीट करने के मामले में जेल गया। 2015 में जौनपुर में जीआरपी ने उस पर सिपाही के साथ मारपीट का आरोप लगाकर जेल भेजा था। रेलवे में नौकरी के दौरान ही उसने रेलवे ट्रैक इंस्पेक्टर से 200 रुपये घूस मांगी थी, जिसे सीबीआई की भ्रष्टाचार टीम ने पकड़ लिया था और ट्रैक इंस्पेक्टर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने आरोपी दिनेश मर्मू को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में पता चला है कि वह बिहार का रहने वाला है और कई बार जेल जा चुका है। अब उसकी खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लड़ाकू विमान के इंजन बनाने में क्यों पीछे रह गया भारत

नई दिल्ली।

लड़ाकू विमान यानी फाइटर जेट की असली ताकत उसके इंजन में होती है। इंजन तय करता हैं कि कोई विमान कितनी ऊँचाई तक जा सकता है, कितनी रफ्तार पकड़ सकता है और दुश्मन की पकड़ से कैसे बच सकता है। लेकिन इस तकनीक को विकसित करना दुनिया के सबसे मुश्किल और महंगे कामों में से एक है। अमेरिका, रूस फ्रांस और चीन इस क्षेत्र में बहुत आगे निकल चुके हैं लेकिन भारत अभी भी इस दौड़ में काफी पीछे है। भारत ने 1986 में अपने पहले स्वदेशी लड़ाकू विमान इंजन 'कावेरी प्रोजेक्ट' की शुरुआत की थी। लेकिन ये प्रोजेक्ट कई तकनीकी और वित्तीय कारणों से कभी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सका।

चीन ने इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश किया। वह रूस और अमेरिका की तकनीक को रिवर्स इंजीनियरिंग और साइबर जासूसी के ज़रिए हासिल करता रहा। चीन ने अपनी कोशिशों में निरंतरता बनाए रखी और आज वह डब्ल्यूएस-10 इंजन बड़े स्तर पर बना रहा है। इसके अलावा डब्ल्यूएस -15 इंजन को चीन जे-20 स्टील्थ फाइटर के लिए तैयार कर रहा है।

हाल के वर्षों में भारत ने फ्रांस के साथ मिलकर नई इंजन तकनीक पर काम शुरू किया है। भारत का एएमसीए प्रोजेक्ट (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट) इसी दिशा में एक बड़ा कदम है। अगर फ्रांस से तकनीकी साझेदारी सही दिशा में बढ़ती है, तब भारत भी 2035 तक अपने आधुनिक इंजन बना सकता है। लेकिन इसके लिए भारत को भारी निवेश करना होगा और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर भी तेजी लानी होगी। तकनीकी जानकारों का मानना है कि भारत अभी चीन से कम से कम 10 से 15 साल पीछे है।

स्लोवाकिया की कंपनी ने बनाई उड़ने वाली कार

नई दिल्ली।

स्लोवाकिया की कंपनी क्लेन विजन ने एक ऐसी अनोखी कार तैयार की है, जो न सिर्फ सड़क पर चल सकती है, बल्कि आसमान में उड़ भी सकती है। कंपनी की इस अनोखी कार का नाम है 'एयरकार', और यह तकनीक निजी परिवहन की दुनिया में एक नया युग शुरू कर सकती है। क्लेन विजन की इस फ्लाइंग कार को यूरोपीय विमानन एजेंसी से हवाई योग्यता का प्रमाणपत्र मिल चुका है। एयरकार ने अब तक 200 से भी ज्यादा सफल उड़ानें भरी हैं और 35 मिनट की ब्रातिस्लावा-नाइट्रा हवाई यात्रा भी पूरी की है। गर्मियों में इसका नया मॉडल 'एयरकार 2' परीक्षण के लिए तैयार होगा और इसके बाद इसे बाजार में उतारा जाएगा। यह कार सड़क पर 200 किमी/घंटा और आसमान में 250 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकती है। एक बार फ्यूल भरवाने पर यह 1000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकती है। इसका सबसे रोचक पहलू यह है कि हवाई मोड में बदलने पर इसके पंख और पीछे की पूंछ जैसी संरचनाएं बाहर आ जाती हैं, जिससे यह एक छोटे विमान में तब्दील हो जाती है।

हालांकि, इसकी कीमत आम लोगों की पहुंच से बाहर हो सकती है। एयरकार 2 की अनुमानित कीमत 6.5 से 8 करोड़ रुपये के बीच बताई जा रही है। इसके अलावा, इसे उड़ाने के लिए पायलट लाइसेंस की आवश्यकता होगी। लेकिन कंपनी का दावा है कि आने वाले समय में इसे और अधिक सुलभ और किफायती बनाया जाएगा। क्लेन विजन के

संस्थापक स्टीफन क्लेन को हाल ही में 'लिविंग लीजेंड्स ऑफ एविएशन' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि यह कार उनका सपना था, जिसके जरिए वह आम लोगों को उड़ने की आजादी देना चाहते हैं।

वॉट्सऐप में जल्द आएगा स्टिकर रिएक्शन फीचर

आईओएस यूजर्स को मिलेगा नया अनुभव

नई दिल्ली (ईएमएस)। वॉट्सऐप अपने यूजर्स के चैटिंग अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए एक नया और दिलचस्प फीचर लाने की तैयारी कर रहा है। जल्द ही वॉट्सऐप पर यूजर्स को मैसेजेस और मीडिया फाइल्स पर इमोजी के अलावा स्टिकर्स से भी रिएक्ट करने का विकल्प मिलेगा। पहले इस फीचर को वॉट्सऐप बीटा फॉर एंड्रॉयड के वर्जन 2.25.13.23 में टेस्ट करते हुए देखा गया था और अब कंपनी इसे आईओएस यूजर्स के लिए भी उपलब्ध कराने जा रही है। इस नए फीचर को हाल ही में टेस्टफ्लाइट ऐप के जरिए वॉट्सऐप बीटा फॉर आईओएस 25.16.10.72 वर्जन में देखा गया है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि यह सुविधा आईफोन यूजर्स के लिए भी जल्द ही आने वाली है।

वॉट्सऐप बीटाइंफो ने इस फीचर से जुड़ा एक स्क्रीनशॉट भी साझा किया है जिसमें यह साफ नजर आता है कि यूजर किसी भी मैसेज पर रिएक्शन ट्रे खोलकर सीधे स्टिकर्स का उपयोग कर सकता है।

रिएक्शन ट्रे में पहले से मौजूद डिफॉल्ट इमोजी के अलावा अब रीसेंट्ली यूज्ड स्टिकर्स भी दिखाई देंगे।

इससे यूजर्स को बार-बार पूरे स्टिकर कलेक्शन को ब्राउज़ नहीं करना पड़ेगा और वे तेज़ी से अपनी भावना ज़ाहिर कर सकेंगे। दिलचस्प बात यह है कि यूजर्स केवल सजेस्टेड या रीसेंट स्टिकर्स तक ही सीमित नहीं रहेंगे। उन्हें वॉट्सऐप के पूरे स्टिकर कलेक्शन का एक्सेस मिलेगा, जिसमें डाउनलोड किए गए स्टिकर पैक्स, सेल्ड स्टिकर्स, एआई द्वारा जनरेट किए गए स्टिकर्स और थर्ड-पार्टी स्टिकर इम्पोर्ट की सुविधा शामिल होगी।

यह सुविधा लॉटी फ्रेमवर्क से बनाए गए एनिमेटेड स्टिकर्स के साथ भी काम करेगी, जिससे मैसेज रिएक्शन का अनुभव और भी रिच और इंटरएक्टिव हो जाएगा।

वॉट्सऐप का यह नया अपडेट चैटिंग को सिर्फ संवाद का माध्यम नहीं बल्कि अभिव्यक्ति का रंगीन जरिया बना देगा। फिलहाल यह फीचर विकास के चरण में है और बीटा टेस्टिंग के जरिए इसकी कार्यक्षमता को परखा जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि टेस्टिंग के बाद इसे जल्द ही दुनियाभर के आईओएस यूजर्स के लिए रोलआउट किया जाएगा। वॉट्सऐप का यह प्रयास यूजर्स को चैटिंग के दौरान ज्यादा मजेदार, पर्सनल और भावनात्मक रूप से जुड़ा अनुभव देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में जस्टिस नागरत्ना

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सीनियर जस्टिस बीवी नागरत्ना आज आधिकारिक रूप से कॉलेजियम का हिस्सा बनेंगी। जस्टिस अभय एस. ओका के रिटायरमेंट के बाद उन्हें सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में सदस्य बनाया जा रहा है। इस तरह कॉलेजियम में अब चीफ जस्टिस बी.आर. गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना होंगे। जस्टिस नागरत्ना देश की पहली महिला चीफ जस्टिस बनने की कतार में हैं। वह 29 अक्टूबर 2027 को रिटायरमेंट तक इस सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का हिस्सा रहेंगी।

सुप्रीम कोर्ट के सूत्रों ने बताया कि चीफ जस्टिस गवई सुप्रीम कोर्ट में खाली पदों को भरने और कई हाई कोर्टों में अहम नियुक्तियां करने के लिए सोमवार को अपनी पहली कलीजियम बैठक बुला सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस ओका के रिटायर होने के बाद न्यायाधीशों के खाली पदों की संख्या तीन हो जाएगी।

कॉलेजियम सिस्टम 1993 में वजूद में आया था।

इसके तहत, सुप्रीम कोर्ट के पांच सीनियर मोस्ट जस्टिस सर्वोच्च न्यायालय और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, तबादले और प्रमोशन की सिफारिश करते हैं। सरकार कॉलेजियम की सिफारिशें लौटा सकती है। हालांकि, कॉलेजियम के दोबारा सिफारिश करने पर वह आमतौर पर इसे स्वीकार कर लेती है। कई ऐसे मामले भी आए हैं, जब सरकार ने फाइल को फिर से लौटा दिया है या सिफारिशों पर कोई जवाब नहीं दिया।

केंद्र सरकार पीओसीएसओ एक्ट में बदलाव पर करे विचारः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा है कि वह पीओसीएसओ एक्ट में बदलाव करने पर विचार करे। यह एक्ट बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है। कोर्ट ने सरकार से कहा कि वह देश में यौन और प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा के लिए एक नीति बनाए यानी स्कूलों में बच्चों को यौन संबंध और प्रजनन के बारे में सही जानकारी दी जानी चाहिए।

जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा है। सरकार को महिला और बाल विकास मंत्रालय के जरिए से जवाब देना है। कोर्ट ने कहा है कि सरकार एक कमेटी बनाए। यह कमेटी इस मुद्दे पर विचार करेगी और 25 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। रिपोर्ट मिलने के बाद कोर्ट फैसला लेगा। यह मामला पश्चिम बंगाल की एक महिला से जुड़ा है। इस महिला के पति को पीओसीएसओ एक्ट के तहत 20 साल की जेल हुई है। उन पर आरोप है कि उन्होंने उस महिला के साथ संबंध बनाए जब वह 14 साल की थी। कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है।

कोर्ट ने इस मामले में दो सीनियर वकील को नियुक्त किया था। उन्होंने सुझाव दिया कि आपसी सहमति से संबंध बनाने वाले किशोरों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पीओसीएसओ एक्ट नाबालिगों को यौन शोषण से बचाने के लिए जरूरी है, लेकिन अगर इसे किशोरों के आपसी संबंधों में सख्ती से लागू किया जाता है, तो इसके नतीजे अच्छे नहीं होंगे। इससे उन किशोरों और उनके परिवारों को नुकसान हो सकता है।

सीनियर वकीलों के सुझावों को मानते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार को इस मामले में शामिल किया और नोटिस जारी किया। वकीलों ने यह भी कहा कि दिल्ली और मद्रास जैसे कई हाईकोर्ट ने इस मामले में अलग

राय रखी है। उन्होंने पीओसीएसओ एक्ट के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए कहा है कि इसका मकसद आपसी सहमति से बनने वाले रोमांटिक रिश्तों को अपराध बनाना नहीं है।

बता दें दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में फरवरी में एक लड़के को राहत दी और उसके खिलाफ मामले को रद्द कर दिया। कोर्ट ने कहा कि कानून का ध्यान शोषण और दुर्व्यवहार को रोकने पर होना चाहिए, न कि प्यार को दंडित करने पर। कोर्ट ने कहा कि प्यार एक मौलिक मानवीय अनुभव है, और किशोरों को भावनात्मक संबंध बनाने का अधिकार है।

कानून को इन रिश्तों को स्वीकार करने और उनका सम्मान करने के लिए विकसित होना चाहिए, जब तक कि वे सहमति से हों और जबरदस्ती से मुक्त हों।

राजस्थान के पहाड़ी इलाके से पकड़ाया जासूस, पाकिस्तानी महिला से की थी शादी

जांच एजेंसियों को शक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान महिला से संपर्क में था

डीग।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और उकसे पीओके में आतंकियों के नौ ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इस कार्रवाई में कई आतंकवादी मारे गए थे। भारत ने साफ कहा है कि इस ऑपरेशन में किसी सैन्य अड्डे या आम नागरिक को निशाना नहीं बनाया गया था। इस कदम के बाद से सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता और निगरानी बढ़ा दी गई है। इसी दौरान शनिवार को सुरक्षा एजेंसियों ने डीग जिले से एक युवक को पाकिस्तान का जासूस होने के शक में हिरासत में लिया है। सुरक्षा एजेंसियों की सख्त निगरानी के चलते राजस्थान के भरतपुर के डीग जिले के पहाड़ी क्षेत्र स्थित गंगोरा गांव से ए युवक को इंटेलिजेंस ब्यूरो ने हिरासत में लिया है। उस पर पाकिस्तान को खुफिया जानकारी देने का आरोप है।

जांच में यह भी सामने आया है कि कासिम ने पाकिस्तान की एक महिला से शादी की थी और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वह उसी महिला से संपर्क में था। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि कासिम पहले दिल्ली में रह रहा था, लेकिन हाल ही में वह अचानक अपने गांव लौट आया। इसके कुछ समय बाद उसने पाकिस्तान का वीजा बनवाया और पाकिस्तान जाकर एक महिला से शादी कर ली।

एजेंसियों को शक है कि इसी दौरान वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से जुड़ा और भारत के खिलाफ जासूसी करने लगा। आईबी टीम फिलहाल उससे पूछताछ कर रही है। एजेंसी यह जानने का प्रयास कर रही है कि उसने पाकिस्तान के लिए किस प्रकार का काम किया, किन-किन जानकारियों को लीक किया, और किन अन्य व्यक्तियों से उसका संपर्क था।

संक्षिप्त समाचार

मिस इंग्लैंड ने बीच में छोड़ी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता

प्रॉस्टिट्यूट जैसा व्यवहार, प्रतियोगिता मे शोषण और अनैतिकता

हैदराबाद।

हैदराबाद में मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता चल रही है। इस आयोजन में शामिल होने के लिए कई देशों की प्रतिभागी शामिल होने के लिए भारत में आई हैं। प्रतियोगिता के दौरान मिस इंग्लैंड, मिला मैगी ने आयोजकों के ऊपर आरोप लगाया है। प्रतियोगिता में आयोजकों द्वारा प्रतियोगियों का शोषण और अनैतिक व्यवहार किया जा रहा है। मिस इंग्लैंड ने ब्रिटेन के अखबार द सन के साथ बातचीत करते हुए कहा है। प्रतियोगियों को मनोरंजन की वस्तु की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। धनी-मानी पुरुष प्रायोजको के सामने दिन भर प्रतियोगियों को मेकअप और गाउन में बैठाकर रखा जाता है। जिस तरह से प्रॉस्टिट्यूट सज संवरकर ग्राहकों के इंतजार में बैठी रहती हैं। उसी तरह की अनुभूति उन्हें हुई। जिसके कारण वह प्रतियोगिता बीच में छोड़कर वापस अपने देश लौट गई। 7 मई को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वह भारत पहुंची थी। 16 मई को वह प्रतियोगिता छोड़कर वापस चली गई। आयोजको ने उनके आरोप को झूठा और बेबुनियाद बताया है।

4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर 19 को मतदान, 23 जून को आएंगे परिणाम

नई दिल्ली।

चुनाव आयोग ने 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। जहां चुनाव होना है उसमें गुजारात की 2, पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल की एक-एक सीट शामिल है। यहां 19 जून को मतदान होगा और 23 जून को नतीजे आ जाएंगे। ये उपचुनाव विधायकों के इस्तीफे या मौत की वजह से ये खाली हुई सीटों पर हो रहे हैं। गुजरात में कादी और विसावदर सीट पर चुनाव होगा। केरल में नीलांबुर, पंजाब में लुधियाना और पश्चिम बंगाल में कालीगंज सीट पर भी उपचुनाव होगा। चुनाव आयोग ने कहा है कि सभी इलाकों में चुनाव की तैयारी पूरी हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सारे जरूरी कदम उठाए जाएंगे।चुनाव आयोग के अनुसार, इन सभी क्षेत्रों में चुनाव की तैयारी पूरी कर ली गई है। मतलब वोटिंग की सारी व्यवस्था हो चुकी है। आयोग ने यह भी कहा कि चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। यानी, किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे। इन उपचुनावों के नतीजे इन राज्यों की राजनीति में कुछ बदलाव ला सकते हैं। देखना होगा कि कौन सी पार्टी इन सीटों पर जीत हासिल करती है।

वकीलों के मेडिकल इंश्योरेंस के लिए सिब्बल ने अंबानी-अडानी से मांगे 50 करोड़

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल द्वारा वकीलों के लिए शुरू की गई 50 करोड़ की सामूहिक स्वास्थ्य बीमा योजना को लेकर एसोसिएशन में आंतरिक विवाद उभर आया है। इस योजना के तहत देश के प्रमुख उद्योगपतियों से धन जुटाया गया है, लेकिन एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने इसे लेकर पुनर्विचार या रद्द करने की बात कही है। सिब्बल ने वकीलों की चिकित्सा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उद्योगपतियों से फंड इकट्ठा कर 2 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा कवर देने की पहल की। योजना के तहत नेशनल इंश्योरेंस कंपनी के माध्यम से अपोलो समूह की मदद से बीमा उपलब्ध कराया जाएगा। इस बीमा योजना का लाभ लगभग 2,700-2,800 सदस्यों को मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए देश के प्रमुख उद्योगपति और रिलायंस ग्रुप के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने 10 करोड़ रुपये दिए। इसके अलावा, अनिल अंबानी, गौतम अडानी, एन चंद्रशेखरन (टाटा), समीर मेहता (टोरेंट), जीएम राव, कुमार मंगलम बिड़ला, अनिल अग्रवाल (वेदांता), लक्ष्मी मित्तल जैसे कारोबारियों ने 5 करोड़ दिए। एसोशिएसन के नए अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा, मेरी व्यक्तिगत राय में इस योजना को फिर से बातचीत के ज़रिए बदला जाना चाहिए या समाप्त कर देना चाहिए। 2 लाख के बीमा कवर के लिए जो प्रीमियम हम दे रहे हैं वह 5 लाख के कवर की तुलना में कहीं ज़्यादा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह योजना केवल आर्थिक रूप से जरूरतमंद वकीलों के लिए होनी चाहिए, न कि सभी के लिए, जिसमें वे खुद और सिब्बल भी शामिल हैं।

एयरटेल की बढ़ती दूरसंचार धोखाधड़ी के खिलाफ संयुक्त पहल

एयरटेल ने जियो, वीआईएल से संपर्क किया

नई दिल्ली।

भारती एयरटेल ने सरकार और ट्राई को सूचित किया है कि वह दूरसंचार धोखाधड़ी और घोटालों के खिलाफ एक संयुक्त पहल के लिए रिलायंस जियो और वीआईएल से संपर्क किया है। एयरटेल ने सभी दूरसंचार कंपनियों से सहयोग करने की अपील की है और 2024 के पहले नौ माह में भारत में 17 लाख से अधिक साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज होने का बताया है। एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी और घोटालों के खिलाफ लड़ाई में अपनी स्थिति मजबूत की है और 14 मई, 2025 को एक संयुक्त दूरसंचार धोखाधड़ी पहल शुरू करने की घोषणा की है। एयरटेल ने उद्योग को एकजुट करने की जरूरत को दर्शाते हुए सार्वजनिक यूजर्स को धोखाधड़ी से बचाने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया है।

एनटीपीसी को 7897 करोड़ रुपये का हुआ मुनाफा

नई दिल्ली।

नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) ने अपने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं, जिसमें कंपनी ने उम्दा प्रदर्शन दिखाया है। इस तिमाही में एनटीपीसी का मुनाफा पिछले साल के मुकाबले 22 फीसदी बढ़ गया है और कमाई भी 3.2 फीसदी बढ़कर 49,834 करोड़ रुपये हो गई है। एनटीपीसी ने प्रति शेयर 3.35 रुपये का डिविडेंड घोषित किया है। पिछले तिमाही से तुलना करें, इस बार मुनाफा में 53 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है और कमाई में भी 11 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। बिजली उत्पादन से कंपनी ने कमाई में तेजी दिखाई है, जिससे एनटीपीसी ने 49,353 करोड़ रुपये की कमाई की है। पूरे साल में भी कंपनी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है,`` वित्त वर्ष 25 में एनटीपीसी की कमाई में 5 फीसदी की वृद्धि हो गई है। इसके साथ ही एनटीपीस के खर्च में भी वृद्धि हुई है, खर्चा ईंधन, बिजली खरीदने, कर्मचारियों के वेतन और ब्याज जैसे मदों में भी इजाफा हुआ है।

केंद्र सरकार ने पेंशन योजना में किया बदलाव

केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगा नया विकल्प

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 2025 कोअपने कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) नाम से एक नई पेंशन योजना शुरू की थी। इस योजना में कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद एक निश्चित पेंशन का वादा किया गया है। यूपीएस ने एनपीएस से अलग होने का विकल्प दिया है। एनपीएस में पेंशन की राशि निश्चित नहीं होती थी, जबकि यूपीएस ने कर्मचारियों को ज्यादा निश्चितता प्रदान की है। यूपीएस में सरकारी कर्मचारियों को उनकी अंतिम 12 महीनों की औसत बेसिक सैलरी का 50 फीसदी मासिक पेंशन के रूप में मिलेगा। इसके लिए कर्मचारियों को कम से कम 25 साल की नौकरी पूरी करनी होगी। यूपीएस योजना में शामिल होने के लिए कर्मचारियों को 30 जून तक अप्लाई करना होगा। फॉर्म ए2 और फॉर्म ए1 भरकर योग्य कर्मचारियों को यूपीएस के लिए अप्लाई करना होगा। आखिरी तारीख निकल जाने पर अतिरिक्त समय दिया जा सकता है। वापस एनपीएस में जाने का विकल्प उपलब्ध नहीं है। यूपीएस योजना के लिए योग्य कर्मचारी- वर्तमान कर्मचारी एनपीएस के तहत आने वाले, 10 साल सेवा पूरी करने वाले रिटायर हुए कर्मचारी, अंतिम निर्णय देने वाले विधवा जीवन साथी और 56(जे) नियमों के तहत राज्य से रिटायर हुए कर्मचारी। यूपीएस निश्चित और सुरक्षित पेंशन की योजना है और इसे चुनने का मौका केंद्र सरकारी कर्मचारियों को 30 जून तक है।

अब ड्रोन से घर पहुंचेगा आपका सामान, अमेजन ने बढ़ाया दायरा

नई दिल्ली।

कभी साइंस फिक्शन का हिस्सा मानी जाने वाली ड्रोन डिलीवरी अब हकीकत बन चुकी है। अमेजन ने 2022 में अमेरिका में ड्रोन के जरिए सामान डिलीवर करना शुरू किया था और अब यह सेवा तेजी से विस्तार कर रही है। अमेजन का दावा है कि ग्राहक ऑर्डर बटन पर टैप करने के बाद लगभग 60 मिनट या उससे भी कम समय में अपना पैकेज पा सकते हैं। फिलहाल यह सुविधा अमेरिका के चुनिंदा शहरों फीनिक्स (एरिजोना) और कॉलेज स्टेशन (टेक्सास) में उपलब्ध है। ड्रोन डिलीवरी के लिए ऑर्डर का वजन अधिकतम पांच पाउंड यानी करीब 2.2 किलोग्राम होना चाहिए। ग्राहक चेकआउट के समय ड्रोन डिलीवरी का विकल्प चुन सकते हैं और अपना पसंदीदा डिलीवरी स्पॉट भी तय कर सकते हैं, जैसे ड्राइववे या यार्ड। अमेजन के एमके30 ड्रोन हवा में करीब 13 फीट की ऊंचाई से पैकेज गिराते हैं। यह ड्रोन उस स्थान को स्कैन करता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वहां कोई बाधा जैसे पालतू जानवर, वाहन या व्यक्ति मौजूद न हो। एफएए से मिली मंजूरी के बाद अब अमेजन आईफोन, सैमसंग ग्लैक्सी डिवाइस, एयरपॉड्स और रिंग डोरबैल जैसे प्रीमियम आइटम्स

की भी ड्रोन डिलीवरी करने लगा है।

अगर डिलीवरी संभव नहीं होती, तो ग्राहक को इसका कारण बताया जाएगा। मौसम का भी खास ख्याल रखा जाता है। हल्की बारिश में भी डिलीवरी संभव है, लेकिन खराब मौसम में यह विकल्प ऐप में दिखेगा ही नहीं। ड्रोन टेक्नोलॉजी अब पैकेज डिलीवरी को न सिर्फ तेज बना रही है, बल्कि इसे ज्यादा स्मार्ट और सेफ भी बना रही है। भारत में यह सुविधा अभी नहीं है, लेकिन भविष्य में इसकी उम्मीद की जा सकती है।

भारत की डिफेंस कंपनी को इजराइल से मिला 17.52 मिलियन डॉलर का ऑर्डर

भारत की तकनीकी क्षमता और बढ़ेगी, देश को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी

नई दिल्ली। भारत की देशी कंपनियों ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई है। इस ऑपरेशन के बाद भारतीय हथियारों की मान्यता ने दुनिया में चर्चे बना दिए हैं। इस उत्कृष्ट अदम्य तकनीक का उद्यम एक और उच्चाधिकारी के साथ साबित हुआ है, जब इजराइल की एक कंपनी ने भारतीय कंपनी नाइब लिमिटेड के साथ एक 17.52 मिलियन डॉलर (करीब 150 करोड़ रुपये) का ऑर्डर किया है। यहां इस ऑर्डर के माध्यम से भारत की तकनीकी क्षमता और बढ़ेगी और देश को विश्वभर में आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। इजराइल की यह कंपनी टेक्नोलॉजी के मामले में बहुत आगे है। इस ऑर्डर में यूनिवर्सल रॉकेट लॉन्चर बनाने और सप्लाई करने हैं। ये लॉन्चर 300 किलोमीटर तक मार कर सकते हैं। यह बहुत ही आधुनिक तकनीक है। भारत में पहली बार ऐसा हो रहा है कि यह तकनीक विदेश के लिए बनाई जा रही है। कंपनी का कहना है कि इस कॉन्ट्रैक्ट से आत्मनिर्भर भारत के सपने को और मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा।

भारत में जल्द लॉन्च होगा एक्स-एडीवी 750 स्कूटर, होंडा ने जारी किया टीजर

नई दिल्ली।

होंडा बाइक एंड स्कूटर इंडिया ने अपनी बहुप्रतीक्षित एक्स-एडीवी 750 एडवेंचर स्कूटर का आधिकारिक टीजर जारी कर भारत में स्कूटर सेगमेंट में हलचल मचा दी है। कंपनी ने यह टीजर रेबेल 500 क्रूजर की लॉन्चिंग के एक दिन बाद रिलीज किया। सोशल मीडिया पर इस टीजर को गेम चेंजर टैगलाइन के साथ साझा किया गया है, जिससे इसके जल्द लॉन्च होने के संकेत मिलते हैं। ग्लोबल मार्केट में एक्स-एडीवी 750 को एक प्रीमियम मैक्सी-स्कूटर के तौर पर जाना जाता है, जो एडवेंचर टूरिंग क्षमताओं को शहरी सुविधाओं के साथ जोड़ता है। यह स्कूटर 745 सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन से लैस है, जो 58 बीएचपी की पावर और 69 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें 6-स्पीड डुअल क्लच ट्रांसमिशन दिया गया है, जो इसे भारत में मौजूद स्कूटरों से अलग बनाता है। मजबूत अंडरपिनिंग के तहत इसमें फ्रंट में 17 इंच और रियर में 15 इंच के वायर-स्पोक व्हील्स, डुअल फ्रंट डिस्क ब्रेक और लॉन्ग ट्रैवल सस्पेंशन मिलता है, जो हल्के ऑफ-रोड और टूरिंग के लिए उपयुक्त है। इसमें फुल एलईडी लाइटिंग, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, बड़ा डिजिटल डिस्प्ले और मल्टीपल राइडिंग मोड्स मिलते हैं। इंटरनेशनल वर्जन में इसे अर्बन, एडवेंचर और कम्फर्ट जैसे एक्सेसरी पैक्स के साथ भी पेश किया जाता है। भारत में होंडा की अब तक की छवि मुख्य रूप से कम्यूटर स्कूटर्स जैसे एक्टिवा और डियो तक सीमित है, लेकिन रेबेल 500 और एक्स-एडीवी जैसे मॉडल के जरिये कंपनी अब प्रीमियम सेगमेंट में गंभीरता से कदम रख रही है। जल्द ही एक्स-एडीवी 750 को भारत में लॉन्च किया जा सकता है।

वृहद आर्थिक आंकड़े और वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मानसून की प्रगति पर जानकारी भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की चाल वृहद आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं, वैश्विक रुख और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों का यह कहना है। वैश्विक अनिश्चितताओ के बीच बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार गिरावट में रहे थे। बाजार के जानकारों ने कहा` कि वैश्विक और घरेलू घटनाक्रमों की वजह से बीते सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार का प्रदर्शन सुस्त रहा है। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और अमेरिका के बढ़ते कर्ज के बोझ को लेकर चिंताओं के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी बढ़ी। इससे भारत सहित अन्य उभरते बाजारों पर दबाव पड़ा। इस सप्ताह 28 मई को भारत के अप्रैल के औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़े और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े आने हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की सुधार की स्थिति के बारे में जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मानसून की प्रगति पर जानकारी भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बॉन्ड बाजार के घटनाक्रम, फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता से भी बाजार की धारणा प्रभावित होगी। मई के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान और कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों के अंतिम दौर का भी बाजार पर प्रभाव पड़ेगा। सप्ताह के दौरान बजाज ऑटो, अरविंदो फार्मा और आईआरसीटीसी जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजे आएंगे। बाजार`` विशेषज्ञ कहते हैं` कि आगे बाजार का रुख मजबूत रहने की उम्मीद है। वृहद आर्थिक आंकड़े और कंपनियों तिमाही नतीजे बाजार को समर्थन प्रदान करेंगे। निवेशकों की नजरें इस सप्ताह जारी होने वाले इन आंकड़ों पर रहेगी। इस सप्ताह भारत और अमेरिका के जीडीपी वृद्धि के आंकड़े भी आएंगे। विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार के भागीदार सबसे पहले रिजर्व बैंक द्वारा सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश हस्तांतरण और राजकोषीय नीति के लिए इसके निहितार्थ पर प्रतिक्रिया देंगे। अमेरिकी अर्थव्यवस्था, विदेशी निवेश प्रवाह और व्यापार वार्ताओं को

लेकर जारी अनिश्चितता को देखते हुए भारतीय बाजार में निकट भविष्य में एकीकरण का दौर देखने को मिल सकता है। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बढ़ते कर्ज के कारण अमेरिकी राजकोषीय स्वास्थ्य को लेकर चिंताओं के बीच पिछले पूरे सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। एक शोध प्रमुख ने कहा` कि निवेशकों का ध्यान अब अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता और मजबूत घरेलू वृहद आर्थिक संकेतकों पर है। हालांकि, बढ़ते अमेरिकी कर्ज को लेकर चिंताओं के बीच बढ़ते अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल के कारण एफआईआई की हालिया निकासी से बाजार की धारणा पर असर पड़ सकता है।

तेल तिलहन बाजार में सरसों, मूंगफली, बिनौला की कीमतों में तेजी रही

कच्चे पामतेल और पामोलीन तेल की कीमतों में आई गिरावट

- सरसों दाने का थोक भाव 6,625-6,710 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद
- सरसों दादरी तेल का थोक भाव 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली।

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह में तेलों की कीमतों में सुधार दर्ज हुआ है। सरसों तेल-तिलहन, मूंगफली तेल-तिलहन और बिनौला तेल के दाम में तेजी दर्ज की गई, जबकि कच्चे पामतेल और पामोलीन तेल की कीमतों में गिरावट आई है। बाजार के सूत्रों के मुताबिक इस बार किसानों की कमजोर आवक और मांग बढ़ने के कारण महसूस किया जा रहा है कि इस मौसम में सरसों की आवक में कमी होने की वजह से देश के सरसों तेल के बाजार में मांग प्रभावित हो रही है। इसके अलावा अपनी मांग की वजह से कच्ची घानी की सरसों तेल महसूस हो रही है। अन्य तेलों में भी मांग बढ़ने के कारण कमी आई है, जैसे ब्रांडेड कच्ची घानी तेल और सोयाबीन तेल। इस स्थिति में, बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार आया है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 110 रुपये के सुधार के साथ 6,625-6,710 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 300 रुपये के सुधार के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,485-2,585 रुपये और 2,485-2,620 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 4,450-4,500 रुपये और 4,200-4,250 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रहे। इसी प्रकार, सोयाबीन इंदौर तेल का भाव भी 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बना रहा। सोयाबीन दिल्ली एवं और सोयाबीन डीगम तेल के दाम क्रमशः 50-50 रुपये का सुधार दर्शाते क्रमशः 13,300 रुपये और 9,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के भाव भी मजबूत बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की मजबूती के साथ 5,800-6,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमशः 50 और 10 रुपये की मजबूती के साथ क्रमशः 14,200 रुपये क्विंटल और 2,270-2,570 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि बाजार के आम रुख के उलट, सीपीओ 225 रुपये की गिरावट के साथ 11,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 75 रुपये की गिरावट के साथ 13,025 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते में शुल्क रियायत की पेशकश बहुत छोटी-अधिकारी

नई दिल्ली। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत भारत ने वाहन क्षेत्र के लिए शुल्क रियायत की पेशकश की है, जिसे अधिकारियों ने बहुत छोटी बताया है। इस पेशकश में वाहन क्षेत्र के लिए आयात शुल्क में 10 से 15 साल की अवधि में कमी और कोटा इंजन की क्षमता और वाहन की कीमत पर निर्भरता है। भारत और ब्रिटेन ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए बातचीत के समापन की घोषणा की है। यह व्यापार करार 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम करेगा और ब्रिटिश कंपनियों के लिए भारत को व्हिस्की, कार और अन्य उत्पादों का निर्यात सुगम बनाएगा। इससे कुल व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा। इसका उद्देश्य 2030 तक दोनों देशों के बीच व्यापार को मौजूदा के 60 अरब डॉलर से दोगुना करने का है। दोनों पक्षों के कोटा के तहत वाहन आयात पर शुल्क की दर 100 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत रह जाएगी। इससे टाटा-जेएलआर जैसी कंपनियों को लाभ होगा। टाटा मोटर्स समूह के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) ने पहले कहा था कि यह समझौता भारत में जेएलआर के प्रदर्शन को आगे बढ़ाने के लिए अच्छा संकेत है क्योंकि इससे भविष्य की कारों को लाभ होगा और ग्राहकों को वैश्विक कारों और वैश्विक कीमतों तक बहुत तेजी से पहुंचने में मदद मिलेगी। दूसरी ओर, मर्सिडीज-बेंज और बीएमडब्ल्यू ने एफटीए को एक सकारात्मक घटनाक्रम बताया है।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पीएफ अकाउंट में 8.25 फीसदी ब्याज दर मंजूर

7 करोड़ कर्मचारियों को ट्रांसफर होगी ब्याज की रकम, 1 लाख पर 8,250 रुपए मिलेंगे

नई दिल्ली।

भारतीय सरकार ने वित्त मंत्रालय के द्वारा एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन (ईपीएफओ) को 2024-25 के लिए वृद्धि दर 8.25 फीसदी पर पीएफ अकाउंट में जमा राशि पर ब्याज मिलने की मंजूरी दे दी है। इस निर्णय से अब देश के 7 करोड़ से अधिक कर्मचारियों के पीएफ अकाउंट में ब्याज की राशि स्वीकृत होगी। ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टी ने 28 फरवरी को आयोजित मीटिंग में 8.25 फीसदी ब्याज दर को बरकरार रखने का निर्णय लिया था, जो पिछले वित्त वर्ष की दर के समान है। इस निर्णय के बाद वित्त मंत्रालय ने इसे मंजूरी के लिए नामंजूरी दे दी है। एक व्यक्ति के पीएफ अकाउंट में 1 लाख रुपये होने पर सालाना उसको 8,250 रुपये का ब्याज मिलेगा। इसी तरह पीएफ अकाउंट में 1 अप्रैल 2024 तक कुल 5 लाख रुपये जमा होने पर 41,250 रुपये के रूप में ब्याज की राशि मिलेगी। ईपीएफओ एक्ट के तहत कर्मचारी की बेसिक सैलरी प्लस डीए का 12 फीसदी पीएफ अकाउंट में जमा होता है, जिसमें कंपनी और कर्मचारी दोनों की योगदान शामिल होता है। कंपनी का 12 फीसदी कॉन्ट्रीब्यूशन में से 3.67 फीसदी पीएफ अकाउंट में जमा होता

है और बाकी पैसा पेंशन स्कीम में जाता है। कर्मचारी का पूरा 12 फीसदी कॉन्ट्रीब्यूशन पीएफ अकाउंट में जमा होता है।

टाटा मोटर्स का ईवी बाजार में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी फिर हासिल करने का लक्ष्य

बाजार में लक्जरी कार सहित इस समय करीब 20 मॉडल

मुंबई।

टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल और पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रबंध निदेशक ने दावा किया कि वे उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार और नवीनीकरण के माध्यम से बाजार में एक प्रमुख भूमिका खेलने की कोशिश कर रहे हैं। कंपनी ने उच्च मानकों का पालन करते हुए इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आकर्षक ऑप्शन पेश किए हैं और अपने उत्पादों को 20 लाख रुपये से ऊपर के बाजार में उतारने का लक्ष्य रखा है। कंपनी अपनी आगामी हैरियर.ईवी और सिएरा.ईवी के साथ 20 लाख रुपये से ऊपर के बाजार में उतरने जा रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी अपने बेड़े में ईवी के स्वामित्व की कुल लागत (टीसीओ) को सीएनजी वाहन के बराबर करने के लिए काम कर रही है ताकि मात्रा हासिल की जा सके। हमारी आकांक्षा मध्यम से दीर्घावधि अवधि में 50 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्सेदारी बनाए रखने की है। उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि लघु अवधि में कंपनी को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में गिरावट आना काफी हद तक तय है, क्योंकि कई कंपनियां कई उत्पाद लेकर आ चुकी हैं। बाजार में लक्जरी कार सहित इस समय करीब 20 मॉडल हैं। यात्री इलेक्ट्रिक वाहन बाजार अब चार खंड में बंटा हुआ है।

यह है-8-12 लाख रुपये; 12 से 20 लाख रुपये; 20 लाख रुपये से अधिक और फ्लीट खंड। उन्होंने कहा कि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वर्तमान में लगभग 40-41 प्रतिशत है, जो पिछले वित्त वर्ष में लगभग 55 प्रतिशत थी, जिसका मुख्य कारण फ्लीट खंड में बिक्री में गिरावट और 12 से 20 लाख रुपये के खंड में तेज प्रतिस्पर्धा है।

गूगल सर्च के लिए यूजर्स को मिलेगा नया एआई मोड

ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल को देगा टक्कर

नई दिल्ली।

गूगल सर्च के लिए यूजर्स को अब नया एआई मोड ऑफर किया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नया फीचर यूजर्स को जेमिनी एआई से पावर्ड चैटबॉट जैसा रिस्पॉन्स देगा। गूगल ने इस फीचर को डिवेलपर कॉन्फ्रेंस में पेश किया गया। इस फीचर के आने से यूजर्स को सर्च पेज पर चैट-बेस्ड इंटरफेस में टॉगल करने का ऑप्शन मिल गया है। यह गूगल के इन्फर्मेशन ऑफर करने के तरीके में बदलाव है। इससे पता चलेगा कि कंपनी ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट और ऐपल को एआई की दुनिया में कड़ी टक्कर देने के मूड में है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा कि यह ज्यादा अडवांस्ड रीजनिंग के साथ सर्च का पूरी तरह से रीइमैजिनेशन है। उन्होंने कहा कि हम अब एआई प्लेटफॉर्म शिफ्ट के एक नए फेज में एंटर कर रहे हैं जहां दशकों की रिसर्च अब वास्तविकता बन रही है। गूगल का यह ऐक्शन चैटजीपीटी जैसे जनरेटिव एआई टूल के लिए एक रिएक्टिव रिस्पॉन्स है, जो सवालों का नैचरल लैंग्वेज में उत्तर देते हैं और अलग-अलग वेब पेजों पर क्लिक करने की जरूरत को कम करते हैं। इस बदलाव ने पहले ही बहुत नुकसान पहुंचाया है। ऐपल के एक एग्जिक्यूटिव ने हाल में कहा था कि सफारी ब्राउजर में गूगल सर्च ट्रैफिक 20 सालों में पहली बार कम हुआ है। गूगल के ऐड-बेस्ड बिजनेस मॉडल के लिए यह एक झटका है। एआई मोड अब मेन गूगल सर्च इंटरफेस के अंदर एक टैब के तौर पर उपलब्ध हो गया है। यह यूजर्स को चैटजीपीटी जैसा चैटबॉट अनुभव करता है। यह फीचर गूगल के मेन एआई मॉडल जेमिनी से पावर्ड है। गूगल के मुताबिक नया यूजर इंटरफेस बेहतर रीजनिंग और कॉन्टेक्स्ट-बेस्ड सवालों को सपोर्ट करता है। फीचर्स के अगले सेट में यूजर्स को अपनी खुद के फोटो को अपलोड करने और शॉपिंग के दौरान आउटफिट्स को वर्चुअली ट्राई करने का ऑप्शन मिलेगा। गूगल के सर्च प्रोडक्ट के वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि कंपनी इस बात पर भी विचार कर रही है कि ऐड्स को एआई मोड में कैसे इंटीग्रेट किया जाए। उन्होंने कहा कि हम इसे उस कॉन्टेंट का हिस्सा मानते हैं जिसे लोग वाकई में पसंद करते हैं। गूगल ओपनएआई की बराबरी करने की कोशिश कर रहा है, जिसने 2022 में अपना चैटजीपीटी लॉन्च किया था और यह कुछ ही समय में पॉप्युलर एआई प्रोडक्ट बन गया। हाल के महीनों में जेमिनी ने भी उपयोगकर्ताओं को अपनी तरफ खींचा है, लेकिन यह अभी भी यूजर अडॉप्शन में चैटजीपीटी से पीछे है। गूगल माइक्रोसॉफ्ट से भी पीछे है, जिसने ओपनएआई पर अरबों खर्च किए और अपने मॉडल को बिंग और ऑफिस ऑफरिंग में डाला। पिचाई ने कहा कि गूगल को उम्मीद है कि वह इस साल ऐपल के साथ एग्रीमेंट फाइनल कर लेगा, ताकि सीरी के जरिए जेमिनी को उपलब्ध कराया जा सके। बता दें गूगल का नया फीचर अभी अमेरिकी यूजर्स के लिए उपलब्ध है।

चीन जल्द लॉन्च करेगा नया एडवांस्ड ड्रोन मदरशिप जियु टियान

भारत ने भी भार्गवास्त्र काउंटर-ड्रोन प्रणाली का परीक्षण कर दिया जवाब

बीजिंग।

चीन जल्द ही अपना नया एडवांस्ड ड्रोन मदरशिप जियु टियान लॉन्च करने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ड्रोन जून के आखिर तक पहली मिशन फ्लाइट पर रवाना होगा। इस मिशन के साथ ही चीन की लंबी दूरी की मानवरहित हवाई क्षमताओं में यह बड़ा इजाफा माना जा रहा है। इससे पहले भारत ने अपनी सुरक्षा तैयारियों का कड़ा संदेश देते हुए भार्गवास्त्र नामक नई काउंटर-ड्रोन प्रणाली का सफल परीक्षण किया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह मानवरहित हवाई वाहन अपनी पहली मिशन फ्लाइट जून के आखिर तक भरेगा। 'जियु टियान' का अर्थ है ÷ऊंचा आकाश÷ और इसे शांक्सी अनमैन्ड इक्विपमेंट टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित किया गया है। यह यूएवी नवंबर 2024 में झुहाई एयर शो में पहली बार देखा गया था। इसकी रेंज 7000 किमी है। इसकी उड़ान ऊंचाई 15000 मीटर है। अधिकतम टेक-ऑफ वजन 16000 किलोग्राम है। पेलोड क्षमता 6000 किलोग्राम है। यह एक साथ 100 ड्रोन लॉन्च करने की क्षमता रखता है। यह क्रूज और पीएल-12ई एयर-टू-एयर मिसाइल से लैस इस यूएवी की सबसे खास बात यह है कि इसे मिशन के मुताबिक बदला भी जा सकता है। चाहे वो सीमा सुरक्षा, समुद्री निगरानी, इमरजेंसी रेस्क्यू या सैन्य ऑपरेशन हो।चीन की इस तैयारी के बीच भारत ने भी कम लागत वाली काउंटर-ड्रोन तकनीक 'भार्गवास्त्र' का परीक्षण कर चीन को जवाब दे दिया है। यह परीक्षण ओडिशा के गोपालपुर में पिछले हफ्ते किया गया था। भार्गवास्त्र भारत की स्वदेशी विकसित की गई एक बहुस्तरीय काउंटर-ड्रोन प्रणाली है, जिसे खासतौर पर छोटे, झुंड में आने वाले और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले ड्रोन को मार गिराने के लिए तैयार किया गया है। यह काउंटर ड्रोन रक्षा प्रणाली 6 से 10 किलोमीटर तक की दूरी पर ड्रोन को ट्रैक कर सकती है और उन्हें इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग या हार्ड किल तकनीक से निष्क्रिय कर सकती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717